सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राजभाषा का क्रियान्वयन

1946. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रधान मंत्री द्वारा 19 सितम्बर, 1985 को विज्ञान भवन में की गई टिप्पणी को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्रालय द्वारा 1985-86 के वार्षिक हिन्दी प्रगामी कार्यक्रम को पूरा कर लिये जाने की संभावना है ;

(ख) मंत्रालय के उन कार्यालयों के क्या नाम हैं जहां सारा कार्य राजभाषा में किया जा रहा है ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर 'ना' हो तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री वी. एन. गाडगिल) : (क) राजभाषा के प्रयोग संबंधी वर्ष 1985-86 के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं । हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाते हैं । मूल रूप से भेजे जाने वाले पत्रों को भी हिन्दी में भेजने के लिए प्रयास किए जाते हैं । राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) में उल्लिखित कागज-पत्रों को भी यथासंभव अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जारी किया जाता है ।

(ख) और (ग) इस समय इस मंत्रालय के किसी भी कार्यालय में सारा कार्य राजभाषा में नहीं हो रहा है । इसका मुख्य कारण यह है कि अधिकांश कर्मचारी हिन्दी में प्रवीण नहीं हैं या उनको हिन्दी में कार्य करने की आदत नहीं है । उनको अपना सरकारी काम अधिक से अधिक राजभाषा हिन्दी में करने के लिए समय -समय पर प्रोत्साहित किया जाता है ।

राजभाषा का क्रियान्वयन

1947. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव**: क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली 'क' क्षेत्र में कृषि मंत्रालय के अधीन कार्य कर रहे विभागीय कार्यालयों/अनुसंधान संस्थानों की संख्या कितनी है और क्या इन कार्यालयों और संस्थानों में राजभाषा क्रियान्वयन समिति गठित की गई है,

(ख) प्रधान मंत्री द्वारा दिनांक 19 सितम्बर, 1985 को विज्ञान भवन में की गई टिप्पणी को ध्यान में रखते हुए क्या विभाग वर्ष 1985-86 के लिए कार्यक्रमों को पूरा कर सकने की स्थिति में है ;

(ग) किन-किन कार्यालयों और संस्थानों में केवल राजभाषा में कार्य किया जा रहा है; और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (ग) का उत्तर "ना" हो तो इसके क्या कारण हैं

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (ती योगेन्द्र मकवाणा) : (क) दिल्ली क्षेत्र (क) में कृषि मंत्रालय की अधीन कार्यालयों, अनुसंधान संस्थानों आदि की संख्या और गठित की गई राजभाष कार्यान्वयन समितियों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है ।

विभाग का नाम	दिल्ली स्थित कार्यालयों की संख्या	उन कार्यालयों की संख्या जिनमें राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनी हुई हैं
कृषि और सहकारिता	23	17
ग्राम विकास	2	—
कृषि अनुसंधान और शिक्षा	4	4
उर्वरक	3	3